4
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
डेली न्यूज़
ऐक्टिविस्ट
लखनऊ, शुक्रवार, 14 मार्च 2014

आईआईएसआर व बिहार सरकार के बीच हुआ अनुबंध

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) और बिहार सरकार के गन्ना उद्योग विभाग के बीच बीज उत्पादन को लेकर अनुबंध हो गया है। दूसरे चरण का अनुबंध गुरूवार को संपन्न हुआ। अनुबंध की शर्तों के अनुसार आईआईएसआर के वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में हर साल 5500 कुंतल उन्नतशील प्रजातियों के प्रजनक बीज का उत्पादन किया जाना है। जिसमें हसनपुर चीनी मिल, समस्तीपुर (बिहार) और मोतीपुर के इलाके में इसे अंजाम दिया जाएगा। इस अनुबंध पर संस्थान के निदेशक डॉ.सुशील सोलोमन, गन्ना उद्योग विभाग, बिहार सरकार में प्रधान सचिव सुधीर कुमार ने पटना में आयोजित कार्यक्रम में सहमति जताई। संस्थान के निदेशक डॉ. सोलोमन ने कहा कि हमारे वैज्ञानिक पूरे जोश से बिहार सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर, वहां गन्ना उपज को बढ़ाने और चीनी परत को बेहतर करने में लगे हैं। सुधीर कुमार ने इस अनुबंध को बिहार में चीनी उद्योग विकास की दिशा में लिया गया अहम फैसला बताया। इस अवसर पर बिहार सरकार के गन्ना अयुक्त चितरंजन सिंह, गन्ना विकास के संयुक्त निदेशक विजय कुमार, मोतीपुर क्षेत्रीय केंद्र के नोडल ऑफिसर डॉ. एडी पाठक, आईआईएसआर के डॉ. सुधीर शुक्ला और बिहार में काम करने वाले सभी 11 चीनी मिलों के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे।

HINDUSTAN TIMES, LUCKNOW
FRIDAY, MARCH 14, 2014

IISR signs MoU with Bihar dept for better sugarcane varieties

HT Correspondent
lkoreportersdesk@hindustantimes.com

LUCKNOW: The Indian Institute of Sugarcane Research (IISR), signed a memorandum of understanding (MoU) with the sugarcane industries department of Bihar for the production of breeder seeds of improved sugarcane varieties.

According to the MoU, 5500 quintals of breeder seed will be produced annually under technical guidance and supervision of IISR scientists in command areas of Hasanpur Sugar Mill, Samastipur (Bihar) and IISR Regional Centre, Motipur (Bihar).

S Soloman, director, IISR and Sudhir Kumar, principal secretary, sugarcane industries department, Bihar signed the MoU. On this occasion, cane commissioner Chitranjan Singh, Bijay Kumar, join director cane development, Bihar, AD Pathak, nodal officer, SK Shukla, in-charge of business promotion development, IISR and representatives of all 11 working sugar mills in Bihar were present.

The principal secretary said the MoU would prove as milestone in the development of sugarcane and sugar industries in Bihar.

5500 QUINTALS OF BREEDER SEED WILL BE PRODUCED ANNUALLY UNDER TECHNICAL GUIDANCE AND SUPERVISION OF IISR SCIENTISTS

In the first phase, a total of 12,500 quintals breeder seed was produced in Harinagar sugar mill command area and IISR Regional Centre, Motipur. The breeder seeds are being multiplied at sugar mills' farms and progressive farmers' fields in Bihar. According to Dr AK Sah, ToT In-charge at IISR, the healthy seed cane will be utilised for commercial cultivation of sugarcane in coming seasons, which will result in increased cane and sugar yield in the coming years.

Kumar also informed that during the last two years, the cane yield and sugar recovery has been improved in Bihar and in this accomplishment, the contribution of IISR is phenomenal.

the pioneer
LUCKNOW | FRIDAY | MARCH 14, 2014

IISR & Bihar government sign MoU for breeder seed production

PIONEER NEWS SERVICE | LUCKNOW

The Indian Institute of Sugarcane Research (IISR), Lucknow, signed a Memorandum of Understanding (MoU)-Phase II with the Sugarcane Industries Department, Bihar Government, for breeder seed production of the improved sugarcane varieties on March 12 at Patna. An official announcement in this regard was made by the Institute on Thursday.

According to the terms of the MoU, every year 5,500 quintals of breeder seeds will be produced under the technical guidance and supervision of the IISR scientists in command areas of Hasanpur Sugar Mill, Samastipur (Bihar) and the IISR Regional Centre, Motipur (Bihar). Dr. S Soloman, Director, IISR, and Sudhir Kumar, Principal Secretary, Sugarcane Industries Department, Government of Bihar, signed the MoU.

On the occasion Chitranjan Singh, Cane Commissioner, Bijay Kumar, Join Director, Cane Development, Government of Bihar, Dr AD Pathak, Nodal Officer, Dr SK.Shukla, incharge, Business Promotion Development, IISR, and representatives of all the 11 working sugar mills in Bihar were present. The Principal Secretary said that this MoU would prove to be a milestone in the development of sugarcane and sugar industry in Bihar. For the second phase of MoU a sum of Rs 75 lakh was given by the Government of Bihar to the IISR, Lucknow.

In the first phase of MoU 12,500 quintals of breeder seed was produced in a well-known sugar mill command area and the IISR Regional Centre, Motipur. The breeder seeds produced are being multiplied at the farms of sugar mills and progressive farmers' fields in Bihar. According to Dr AK Sah, Scientist, IISR , the seeds thus obtained are healthy seed cane which will be utilised for commercial cultivation of sugarcane in the coming season and bring increased cane and sugar yield in Bihar. Kumar also informed newspersons that during the past two years the cane yield and sugar recovery had improved in Bihar and in this accomplishment the contribution of IISR was phenomenal. Dr Solomon reminded the IISR's commitment for gradual development of sugarcane yield (to achieve 75-80 t/ha in the near future) and sugar recovery (to achieve 10%) in Bihar and he said that all possible technical help would be extended by the IISR in the coming years.

बिहार का गन्ना अनुसंधान संस्थान से अनुबंध

लखनऊ। उन्नत प्रजातियों के प्रजनक गन्ना बीज के उत्पादन के लिए भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान ने बिहार सरकार से दूसरे चरण का अनुबंध किया है। पटना में संस्थान के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन और बिहार सरकार के गन्ना उद्योग विभाग के प्रधान सचिव सुधीर कुमार ने हस्ताक्षर किए। सुधीर कुमार ने अनुबंध के प्रथम चरण के दो वर्षों में संस्थान के योगदान की सराहना की।

यूपी लाएगा बिहार के गन्ने में मिठास

राज्य, लखनऊ : बिहार में गन्ने की क्वालिटी सुधारने के लिए लखनऊ का गन्ना अनुसंधान संस्थान मदद करेगा। संस्थान उन्नत प्रजाति का 5500 क्विंटल बीज बिहार को उपलब्ध कराएगा। बिहार सरकार के साथ अनुबंध की जानकारी देते हुए संस्थान के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. एके साहा ने बताया कि गत बुधवार को पटना में अनुबंध पत्र पर बिहार सरकार की ओर से प्रधान सचिव सुधीर कुमार और संस्थान की तरफ से डॉ. सुनील सोलोमन ने हस्ताक्षर किए।

राष्ट्रीय
www.samaylive.com
सच कहने की हिम्मत
सहारा
राष्ट्रीयता • कर्त्तव्य • समर्पण
रादून • वाराणसी से प्रकाशित
लखनऊ | शुक्रवार • 14 मार्च • 2014

बिहार के साथ हुआ गन्ना प्रजनक बीज उत्पादन अनुबंध

सरोजनीनगर-लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊ व बिहार सरकार के गन्ना उद्योग विभाग के मध्य गन्ना की उन्नत प्रजातियों के प्रजनक बीज उत्पादन के लिए द्वितीय चरण का अनुबन्ध बुधवार को सम्पन्न हुआ। प्रजनक बीज उत्पादन अनुबन्ध पर भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के निदेशक डा. सुशील सोलोमन व गन्ना उद्योग विभाग, बिहार सरकार के प्रधान सचिव सुधीर कुमार ने पटना में आयोजित कार्यक्रम में हस्ताक्षर किये। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान लखनऊके निदेशक डा. सोलोमन ने बताया कि वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में प्रतिवर्ष 5500 कुन्तल उन्नतशील प्रजातियों के प्रजनक बीज का उत्पादन हसनपुर चीनी मिल, समस्तीपुर (बिहार) प्रक्षेत्र व भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केन्द, मोतीपुर पर किया जायेगा। इस अवसर पर बिहार सरकार के गन्ना अयुक्त श्री चितरंजन सिंह, संयुक्त निदेशक गन्ना विकास, बिहार सरकार बिजय कुमार, मोतीपुर क्षेत्रीय केन्द्र के नोडल ऑफिसर डा. एडी पाठक, संस्थान के व्यवसाय-नियोजन-विकास संभाग प्रभारी डा. सुधीर शुक्ला एवं बिहार में कार्यरत सभी 11 चीनी मिलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

कल्पतरु एक्सप्रेस
www.kalptaruexpress.com
लखनऊ, शुक्रवार, 14 मार्च 2014

समझौता भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ व बिहार सरकार के बीच हुआ अनुबंध

संस्थान बिहार में करेगा गन्ना बीज उत्पादन

कल्पतरु समाचार सेवा

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ व बिहार सरकार के गन्ना उद्योग विभाग के मध्य गन्ना की उन्नत प्रजातियों के प्रजनक बीज उत्पादन के लिए अनुबंध हुआ है। अनुबंध के मुताबिक आईआईएसआर के वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में प्रति वर्ष 5500 कुंतल उन्नतशील प्रजातियों के प्रजनक बीज का उत्पादन हसनपुर चीनी मिल, समस्तीपुर (बिहार) प्रक्षेत्र और संस्थान के क्षेत्रीय केन्द्र, मोतीपुर में किया जाएगा।

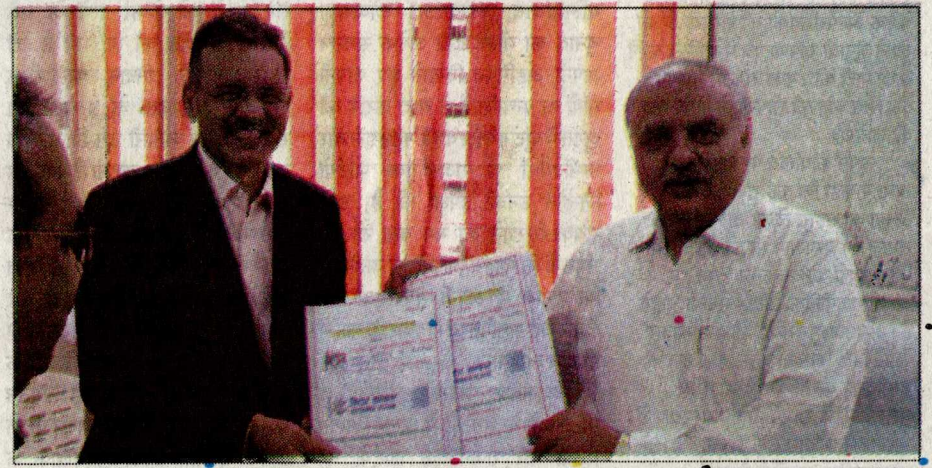

प्रजनक बीज उत्पादन अनुबंध पर भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन व गन्ना उद्योग विभाग, बिहार सरकार के प्रधान सचिव सुधीर कुमार ने पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में हस्ताक्षर किये। द्वितीय चरण के अनुबंध के मौके पर बिहार सरकार के गन्ना आयुक्त चितरंजन सिंह, संयुक्त निदेशक गन्ना विकास बिजय कुमार, मोतीपुर क्षेत्रीय केन्द्र के नोडल ऑफिसर डॉ. एडी पाठक, संस्थान के व्यवसाय-नियोजन-विकास संभाग प्रभारी डॉ. सुधीर शुक्ला व बिहार में कार्यरत सभी 11 चीनी मिलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। प्रधान सचिव, गन्ना उद्योग ने इस अनुबंध को बिहार में चीनी उद्योग विकास की दिशा में लिया गया महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान, लखनऊ द्वारा प्रजनक बीज उत्पादन के प्रथम चरण के योगदान को सराहनीय करार दिया। संस्थान के निदेशक डॉ.सुशील सोलोमन ने गुरुवार को लखनऊ में बताया कि प्रजनक बीज गन्ना उत्पादन के प्रथम चरण के अन्तर्गत हरिनगर चीनी मिल प्रक्षेत्र व संस्थान क्षेत्रीय केन्द्र, मोतीपुर पर 12500 कुंतल प्रजनक बीज का उत्पादन कर स्वस्थ गन्ना बीज का संवर्धन बिहार के चीनी मिलों के प्रक्षेत्रों में किया जा रहा हैं, इससे बिहार में गन्ना उत्पादन व चीनी परता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। बिहार सरकार ने संस्थान को द्वितीय चरण के अनुबंध कार्यक्रम के संचालन के लिये प्रथम वर्ष में 75 लाख रुपये दिया है।

जनसंदेश टाइम्स

लखनऊ, शुक्रवार, 14 मार्च 2014

आइआइएसआर-बिहार के बीच करार

लखनऊ। भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आइआइएसआर) और बिहार सरकार के गन्ना उद्योग विभाग के बीच गन्ना की उन्नत प्रजातियों के प्रजनक बीज उत्पादन हेतु गुरुवार को अनुबंध किया गया। आइआइएसआर के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन और बिहार सरकार के गन्ना उद्योग विभाग प्रधान सचिव सुधीर कुमार ने पटना में आयोजित एक कार्यक्रम में इस अनुबंध पर हस्ताक्षर किया।

प्रयास

गन्ने की उन्नत प्रजाति के लिए हुआ अनुबंध

गन्ने की उन्नत प्रजाति के बीज के उत्पादन के लिए आइआइएसआर के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन और बिहार सरकार के गन्ना उद्योग विभाग के प्रमुख सचिव सुधीर कुमार एक दूसरे को अनुबंध पत्र सौंपते

आइआइएसआर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. ए के साह ने बताया कि अनुबन्ध की शर्तों के अनुसार भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान के वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में प्रतिवर्ष 5500 कुन्तल उन्नतशील प्रजातियों के प्रजनक बीज का उत्पादन हसनपुर चीनी मिल, समस्तीपुर (बिहार) प्रक्षेत्र व भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान क्षेत्रीय केन्द,मोतीपुर पर किया जायेगा।

इस अवसर पर बिहार सरकार के गन्ना अयुक्त चितरंजन सिंह, संयुक्त निदेशक गन्ना विकास, बिहार सरकार बिजय कुमार, मोतीपुर क्षेत्रीय केन्द्र के नोडल ऑफिसर डॉ. एडी पाठक, संस्थान के व्यवसाय-नियोजन-विकास संभाग प्रभारी डॉ. सुधीर शुक्ला व बिहार में कार्यरत सभी 11 चीनी मिलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। इस मौके पर डॉ. सोलोमन ने बिहार में गन्ना विकास के लिए प्रतिबद्धता को दोहराते हुये कहा कि हमारे वैज्ञानिक पूरे जोश से बिहार सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर बिहार में गन्ना उपज को बढ़ाने (लगभग 75-80 टन/हेक्टेयर) और चीनी परता को बेहतर करने के लिए हर संभव सहायता करेगा। *वसं.*

अमर उजाला
लखनऊ | शुक्रवार | 14 मार्च 2014

आईआईएसआर व बिहार सरकार में अनुबंध

लखनऊ (ब्यूरो)। राजधानी के भारतीय गन्ना अनुसंधान संस्थान (आईआईएसआर) में विकसित गन्ना अब बिहार के लोगों को मिठास देगा। गन्ने की उन्नत किस्मों के बीज के लिए बिहार सरकार ने आईआईएसआर के साथ अनुबंध किया है। अनुबंध के मुताबिक, बीज का उत्पादन बिहार में ही किया जाएगा। अनुबंध पर आईआईएसआर के निदेशक डॉ. सुशील सोलोमन और गन्ना उद्योग विभाग बिहार सरकार के प्रिंसिपल सेक्रेटरी सुधीर कुमार ने पटना में हस्ताक्षर किए।